बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि इंडियन आयल कारपोरेशन द्वारा हिमाचल प्रदेश में रसोई गैस आम उपभोक्ताओं में वितरित करने के लिए राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को प्राधिकृत किया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस प्रकार की व्यवस्था किसी अन्य राज्य में भी की गयी हैं;

(ग) यदि नहीं, तो इस प्रथा को केवल हिमाचल प्रदेश में ही प्रारम्भ किये जाने के क्या कारण हैं;

(घ) क्या यह भी सच है कि राज्य नागरिक आपूर्ति निगम ने राज्य के अनेकों शहरों में गैस वितरण का काम कुछ अन्य निजी क्षेत्र की एजेंसियों को सौंप दिया है; और

(ङ) यदि हां, तो इस प्रकार राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को केवल बिचौलिये की भूमिका अदा करने की अनुमति दिये जाने के क्या कारण हैं?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त): (क) से (ग) जैसाकि कई राज्यों के विभिन्न भागों में ऐसे कारपोरेशनों के संबंध में किया गया है हिमाचल प्रदेश राज्य सिविल सप्लाई कारपोरेशन को भी इस राज्य में एल०पी०जी० वितरक नियुक्त किया गया है।

(घ) और (ङ) हिमाचल प्रदेश राज्य सिविल सप्लाई कारपोरेशन ने 5 स्थानों अर्थात् नूरपुर, नालागढ़, रामपुर, बुशहर और जोगेन्द्र नगर में एल०पी०जी० वितरण केन्द्रों का प्रबन्ध पंजीकृत सहकारी संस्थाओं को दिया है बशर्ते कि एल०पी०जी० के वितरण में कोई हानि/कोई लाभ न हो।

रसोई गैस कनेक्शनों की संख्या में कमी

674. **श्री राम जेठमलानी:**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में गत तीन वर्षों के दौरान आम उपभोक्ताओं को दिये जाने वाले रसोई गैस के कनेक्शनों की संख्या में निरन्तर कमी आई है;

(ख) यदि हां, तो 1986-87, 1987-88 में और चालू वर्ष में अब तक उपलब्ध कराये गये नये रसोई गैस कनेक्शनों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या गैस कनेक्शनों की कमी का कारण एल० पी० जी० गैस की अपर्याप्त उपलब्धता है अथवा गैस की उपभोक्ता तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था न होना इसका कारण है; और

(घ) इस संबंध में सरकार के भावी रचनात्मक प्रस्ताव क्या-क्या हैं?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त): (क), (ग) और (घ) तेल उद्योग द्वारा पूरे देश में उपभोक्ताओं के नामांकन के अपने वार्षिक कार्यक्रम के अन्तर्गत चरणबद्ध रूप में नये एल०पी०जी० कनेक्शन जारी किये जाते हैं। बशर्ते कि एल०पी०जी० की उपलब्धता में भी वृद्धि हो।

(ख) सूचना इस प्रकार है:—

वर्ष	जारी किये गये नये कनेक्शन (लाख)
1986-87	17.08
1987-88	14.37
1988-89 (जनवरी, 1989 तक)	9.76

Setting up of refinery in the Joint Sector at Karnal

675. SARDAR JAGJIT SINGH AURORA: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government had taken a decision to set up a refinery in the joint sector at Karnal; if so, whether construction work of this project has since been started in pursuance of that decision;

(b) if so, what amount has been spent on this project till December, 1988;

(c) whether it is also a fact that Government have not so far decided the broad outlines of this project; and

(d) if so, what are the details in this regard and what is the target fixed for the completion of this project?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM

DUTT): (a) Yes, Sir. Construction work has not yet started.

(b) an amount of Rs. 7.30 crores has been spent on this project till December, 1988.

(c) No, Sir.

(d) As per the terms of the Memorandum of Understanding signed between the two Joint Venture partners viz. Indian Oil Corporation Ltd. & Tata Chemicals Ltd., a Detailed Project Report (DPR) was submitted by them in May, 1988. The DPR was examined by the Government and the Joint Venture Company was asked to incorporate material relating to evaluation of different processing schemes, some detailed engineering etc. in the DPR which is essential to arrive at a realistic cost estimate and time frame for project implementation. Target date for completion has not been fixed.

Production and supply of liquified petroleum gas in the country

676. SARDAR JAGJIT SINGH AURORA: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that it has not been possible to maintain the supply of liquified gas in proportion to its demand in the country for the last three years;

(b) if so, what is the annual production of liquified petroleum gas in the country;

(c) what quantity of this gas out of its total production is utilised by the common consumers; and

(d) what is the quantity of gas imported in order to meet its demand during the last three years and in the first nine months of the corrent financial year as also the cost at which it was so imported?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) As it is a clean, cheap and convenient cooking fuel, demand for LPG continues to outstrip supply;

(b) and (c) The total estimated requirement of LPG during 1988-89 is about 1.97 million MT. It is proposed to meet it from the estimated indigenous production of 1.75 million MT and through imports to the extent of shortfall;

(d) The information is given below:

Year	Quantity imported (in 000 MT)	Cost (Rs/Lakhs)
1985-86	32	1090
1986-87	22	409
1987-88	152	4501
1988-89	167	4900

(As on 1-1-89—Provisional)

Exploration of Petroleum and Natural Gas in the Krishna-Godavari basins

677. SHRI PUTTAPAGA RADHA KRISHNA:

PROF. C. LAKSHMANNA:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what is the latest position with regard to Petroleum and Natural Gas in the explorations in Krishna-Godavari basins;

(b) what are the current estimates of commercially viable production in respect of the gas and oil in the same basin; and

(c) what are the plans for utilisation of these production in the Eighth Five Year Plan period?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) The basin is under exploration. As on 1-1-1988, geological reserves of 20.03 million tonnes of oil and 20.643 billion cubic metres of gas, have been established.